भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2621

जिसका उत्तर 07 अगस्त, 2024 को दिया जाना है

घरेलू उपयोग के लिए उच्च श्रेणी के कोयले की मांग

2621. श्री राजीव राय:

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में घरेलू उपयोग के लिए उच्च श्रेणी के कोयले की मांग में पर्याप्त वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने उक्त मांग को पूरा करने के लिए कोई योजना बनाई है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

कोयला एवं खान मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख) : कोयले के सभी ग्रेडों की मांग का अनुमान लगाने के लिए अंतर-मंत्रालयी समिति (आयात प्रतिस्थापन के उद्देश्य से गठित) की विभिन्न बैठकें आयोजित की जाती हैं। अर्थव्यवस्था में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए सीमेंट, एल्यूमीनियम, स्पंज आयरन आदि जैसे उपभोक्ता उद्योगों में उच्च श्रेणी के कोयले की अत्यधिक मांग है।

राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 ने वित्त वर्ष 2017 में कच्चे इस्पात के उत्पादन 101 मिलियन टन (मि.ट.) से बढ़कर वित्त वर्ष 2030 तक 300 मि.ट. तक होने का अनुमान लगाया है। वर्तमान में वित्त वर्ष 24 में 148 मि.ट. कच्चे इस्पात का उत्पादन हुआ है। इस्पात उत्पादन में वृद्धि से भारत के धातुकर्मीय कोकिंग कोयले की मांग बढ़ने की संभावना है।

(ग) से (ङ) : वर्ष 2024-25 तक अखिल भारतीय कोयला उत्पादन को 1 बिलियन टन (बि.ट.) के स्तर तक बढ़ाने और कोल इंडिया लिमिटेड के उत्पादन को वर्ष 2026-27 तक 1 बि.ट. तक ले जाने की योजना तैयार की गई है। कोयले की उपलब्धता में परिणामी वृद्धि कोयले के इन ग्रेडों की मांग को उपलब्ध सीमा तक पूरा करने में सक्षम होगी।

कोकिंग कोयले के आयात को प्रतिस्थापित करने के लिए, इस्पात क्षेत्र द्वारा कोकिंग कोयले के वर्तमान घरेलू सम्मिश्रण को मौजूदा 10-12% से बढ़ाकर 30-35% किया जाएगा। तदनुसार, कोयला मंत्रालय ने राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 में अनुमानित घरेलू कोकिंग कोयले की मांग को पूरा करने के लिए वित्त वर्ष 22 में मिशन कोकिंग कोल लॉन्च किया है। कोयला मंत्रालय ने वर्ष 2030 तक कच्चे कोकिंग कोयले के घरेलू उत्पादन को 140 मि.ट. तक बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए हैं।

<u>कोकिंग कोयले की आपूर्ति</u>**:** वित्त वर्ष 24 के दौरान, घरेलू वॉश्ड कोकिंग कोयले की आपूर्ति 5.4 एमटीपीए थी, जिसमें सीआईएल से 2.22 एमटीपीए शामिल थी. नई वॉशरियों की स्थापना के साथ, देश वर्ष 2030 तक इस्पात क्षेत्र को लगभग 23 एमटीपीए वॉश्ड कोकिंग कोयले की आपूर्ति करने में सक्षम होगा।

*****